

परमाणु पनडुब्बी गठबंधन: AUKUS

प्रलिस के लयि:

AUKUS, क्वाड, नाटो, साउथ चाइना सी, परमाणु पनडुब्बी ।

मेन्स के लयि:

इंडो-पैसफिकि और क्वाड पर AUKUS का प्रभाव, भारत के लयि इसके नहितिारथ

चर्चा में क्यो?

हाल ही में ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और ब्रिटिन ने संवेदनशील 'नौसेना परमाणु प्रणोदन सूचना' के आदान-प्रदान की अनुमति देने वाले एक समझौते पर हस्ताक्षर कयि हैं ।

- बीते दनियों प्रशांत क्षेत्र, जहाँ चीन-अमेरिका प्रतदिवंदवति बढ रही है, में सामरिक तनाव का सामना करने हेतु तीनों देशों ने रक्षा गठबंधन, 'ऑकस' का गठन कयि था, जसिके बाद सार्वजनिक रूप से हस्ताक्षरति होने वाली प्रौद्योगिकी पर यह पहला समझौता है ।
- 'ऑकस' सौदे के तहत ऑस्ट्रेलिया आठ अत्याधुनिक, परमाणु-संचालति लेकनि पारंपरिक रूप से सशस्त्र पनडुब्बियों को प्राप्त करेगा ।

प्रमुख बडि

■ ऑकस:

- सतिंबर 2021 में अमेरिका ने ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटिन और अमेरिका (AUKUS) के बीच इंडो-पैसफिकि के लयि एक नई त्रिपक्षीय सुरक्षा साझेदारी की घोषणा की थी ।
- इस व्यवस्था का प्रमुख उद्देश्य ऑस्ट्रेलिया हेतु अमेरिकी परमाणु पनडुब्बी प्रौद्योगिकी का साझाकरण सुनिश्चति करना है ।
- इसका इंडो-पैसफिकि उन्मुखीकरण इसे **दक्षिण चीन सागर** में चीन की मुखर कार्रवाइयों के खिलाफ एक प्रमुख गठबंधन बनाता है ।
- इसमें तीन देशों के बीच बैठकों और वार्ताओं के साथ-साथ उभरती प्रौद्योगिकियों (जैसे- **कृत्रमि बुद्धमितता, क्वांटम प्रौद्योगिकियों** और **अंडरसी क्षमताओं**) में सहयोग का एक नया फ्रेमवर्क शामिल होगा ।

■ हदि-प्रशांत क्षेत्र/क्वाड पर प्रभाव:

- इस बात की चिंता है कि 'ऑकस' (AUKUS) अमेरिका-यूरोपीय संघ संबंधों और **उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन** (NATO) पर गहरा प्रभाव डाल सकता है और इंडो-पैसफिकि में अंतरराष्ट्रीय गठबंधन को कमजोर कर सकता है ।
 - नाटो की स्थापना 4 अप्रैल, 1949 की उत्तरी अटलांटिक संधि (जसि वाशिंगटन संधि भी कहा जाता है) द्वारा संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और कई पश्चिमी यूरोपीय देशों द्वारा सोवियत संघ के खिलाफ सामूहिक सुरक्षा प्रदान करने के लयि की गई थी ।
 - नाटो के प्राथमिक लक्ष्य अपने सदस्यों की सामूहिक रक्षा और उत्तरी अटलांटिक क्षेत्र में लोकतांत्रिक शांतिबिनाए रखना है ।
- फ्रांस ने **संयुक्त राष्ट्र** में ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस और भारत के वदिश मंत्रियों की एक नरिधारति बैठक रद्द कर दी थी ।
 - पछिले कुछ वर्षों में उभरते हदि-प्रशांत परदृश्य में त्रिपक्षीय एक महत्त्वपूर्ण तत्त्व बन गया है लेकनि बैठक का रद्द होना त्रिपक्षीय जुड़ाव के लयि एक झटका है ।
- यह स्पष्ट नहीं है कि क्वाड और AUKUS एक-दूसरे को सुदृढ करेंगे या परस्पर अनन्य रहेंगे ।
 - कुछ मान्यताएँ हैं कि "एंग्लोस्फीयर नेशन" - जो यूनाइटेड किंगडम के साथ साझा सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंध साझा करते हैं - एक दूसरे में अधिक विश्वास को प्रेरति करते हैं ।
 - **क्वाड** भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान का एक समूह है जसिका उद्देश्य हदि-प्रशांत क्षेत्र में लोकतांत्रिक राष्ट्रों के हतियों की रक्षा करना और वैश्विक चुनौतियों का समाधान करना है ।

■ भारत के लयि नहितिारथ:

- भारत ने कहा है कि नई साझेदारी न तो क्वाड के लयि प्रासंगिक है और न ही इसका उसके कामकाज पर कोई प्रभाव पड़ेगा ।
- AUKUS के प्रत उदासीनता के बावजूद भारत AUKUS व्यवस्था से द्वितीयक लाभ प्राप्त कर सकता है, जसिमें तीन उन्नत राष्ट्र हैं,



जो दुनिया में सबसे परष्कृत सैन्य शक्त के साथ चीन के तेज़ी से मुखर रवैये के आलोक में एक स्वतंत्र हृद-प्रशांत का समर्थन करने के लयि एक साथ आ रहे हैं । यह कुछ हद तक चीन का प्रतरिोध कर सकता है ।

- साथ ही चीन द्वारा 'घेरने' के संबंघ में भारत की चलिओं को AUKUS द्वारा आंशकि रूप से कम कयिा जा सकता है ।
- बुनयिादी ढाँचा वकिस परयिोजनाओं और उपस्थति के मामले में चीन ने भारत के पड़ोस में बड़े पैमाने पर पैठ बनाई है ।
- आशंका है कि इस सौदे से अंततः पूरवी हृदि महासागर में परमाणु हमला करने वाली पनडुबबयिों (SSN/सबमर्सबिल शपि न्यूक्लियर) की भीड़ लग सकती है, जसिसे भारत की कषेत्रीय श्रेष्ठता खतम हो जाएगी ।

Defence pact to counter China

The U.S., UK and Australia have launched AUKUS – a new Indo-Pacific defence alliance to counter China's influence. The pact will enable Australia to build nuclear-powered submarines

Pacific region security treaties





■ **ANZUS Treaty: Australia-New Zealand-U.S.**
Treaty to protect security of Pacific emerged in 1951 during Cold War

■ **QUAD: U.S., Japan-Australia-India.** Quadrilateral Security Dialogue established in 2007 to contain China's territorial claims in Indo-Pacific

■ **Five-Eyes: U.S.-UK-Canada-Australia-New Zealand**
Cold War-era anti-Soviet intelligence-sharing partnership. Four members oppose China's vow to "take back" Taiwan by 2049 – New Zealand has opted out of confronting China, its largest trading partner



■ **AUKUS: Australia-UK-U.S.**
Pact scuppers \$40 billion deal with France to build diesel-powered submarines



Australia will receive Tomahawk Cruise Missiles, AGM-158 JASSM standoff air-launched cruise missiles and anti-ship missiles

00101101011010011
001100110101010
110110101010101
101111010101010
0100
1011

Countries to collaborate in cyber, quantum technologies and artificial intelligence

//

आगे की राह

- भारत को द्वपिकषीय वारताओ में **अतशयोक्तपूरण, अस्पष्ट, वास्तवकिता** के प्रतिसावधान रहना चाहयि । जबकि भारत-अमेरिका संबंघों का मज़बूत होना भारतीयों के लयि लाभदायक होगा ।
 - "भारत को एक महान शक्ति बनाने के लयि" अमेरिका ने मदद का प्रस्ताव और घोषणाएँ की कि "दुनिया के दो महान लोकतंत्रों में दुनिया की दो सबसे बड़ी सेनाएँ भी होनी चाहयि"
- हमें स्टीलथ फाइटरस, जेट इंजन एडवांसड रडार और पनडुबबयिों के साथ-साथ एयरक्राफ्ट-कैरियरस के लयि न्यूक्लियर प्रोपल्शन सहति कई अन्य चीज़ों की "जानकारी" के अलावा ऑस्ट्रेलिया को दी जाने वाली सभी तकनीकों की आवश्यकता है ।
- एक छोटे देश लक्ज़मबर्ग से लेकर उभरते पोलैंड तक हर यूरोपीय देश के पास यूरोप को देने के लयि कुछ-न-कुछ है जो भारत के अंतर्राष्ट्रीय संबंघों का एक संपन्न केंद्र बन गया है ।
 - पछिले कुछ वर्षों में फ्रांस के साथ भारत की सामरकि भागीदारी में तेज़ी आई है ।
- भारत-प्रशांत की सुरक्षा में साझा हतिों और मौजूदा झगड़े तथा इस बड़े लक्ष्य को कमज़ोर करने के खतरों के बारे में फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, यूके और यूएस को जानकारी प्रदान करना है ।

स्रोत: द हट्टू

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/nuclear-submarine-alliance- aukus>

